Government at the appropriate time after taking into account various relevant considerations.

एन०टी०सी० की मिलों की जमीन और मशीनरी बेचने के बजाय उसके रुग्ण मिलों का आधुनिकीकरण

1004. श्री विश्वासराव रामराव पाटिल :

श्री मेत्ते पद्मनाभम :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने एन०टी०सी० की उन मिलों की जो घाटे में चल रही हैं, जमीन और मशीनरी को बेचने के अनुदेश जारी किए हैं; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ख) यह निर्णय किन-किन मिलों के संबंध में लिया गया है ;

(ग) इन मिलों में कितने कर्मचारी नियोजित हैं ;

(घ) सरकार ने उन व्यक्तियों के भविष्य के बारे में क्या निर्णय लिया है ;

(ङ) क्या यह सच है कि इन रुग्ण मिलों की मशीनरी बहुत पुरानी है ;

(च) सरकार द्वारा इन मिलों को ऋण प्रदान करके इनका आधुनिकीकरण न किये जाने के क्या कारण हैं ; और

(छ) इन मिलों के आधुनिकीकरण में क्या अड़चनें हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) से (ङ) राष्ट्रीय वस्त्र निगम ने 8वीं योजना के प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिए हैं। जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ मिलों का समामेलन, फालतू भूमि की बिक्री आदि शामिल है। इन प्रस्तावों पर विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श चल रहा है। चूंकि इस संबंध में कोई अन्तिम निर्णय नहीं लिया गया है इसलिए फिलहाल समामेलन, भूमि की बिक्री के बारे में ब्यौरे निर्दिष्ट करना तथा यह बता पाना असामयिक होगा कि क्या इनसे कामगारों के हितों पर प्रभाव पड़ेगा।

(च) और (छ) एन०टी०सी० मिलों का आधुनिकीकरण एक सतत प्रक्रिया है। सरकार ने एन०टी०सी० मिलों के आधुनिकीकरण/नवीकरण के लिए मार्च 1991 तक 358 करोड़ रु० व्यय कर दिए हैं?

Export of raw cotton

1005. SHRI GURUDAS DAS GUPTA:

SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government are exporting raw cotton to stabilise its indigenous prices;

(b) if so, what is the quantity of raw cotton exported and proposed to be exported during the year and how does it compare with that of the last year; and

(c) whether it has been made sure before releasing quotas for export of cotton that the requirements of domestic textile industry are met fully?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) The objecives of releasing quotas for export of raw cotton are stabilisation of prices in the domestic market, provision of remunerative prices to the cotton growers and to maintain India's presence in the Inter-national Market as a stable supplier.

(b) Government has released 1.00 lakh bales of Bengal Deshi cotton for export during 1991-92 cotton season. It has also been decided to place an export quota of 4.00 lakh bales of cotton during the 1991-92 cotton season at the disposal of